(ग) बैंकिंग विभाग द्वारा किन-किन बैंकों के कितने-कितने अधिकारियों के विरुद्ध कार्यवाही की गई है ?

कृषि मंत्रालय में ग्रामीण विकास विभाग में राज्य मंत्री (श्री रामानन्द यादव) : (क) बिहार सरकार को कई अनुस्मारक भेजे जाने के बावजूद, केन्द्रीय सरकार को बिहार सरकार के सतर्कता विभाग द्वारा की गई जांच के परिणामों के बारे में अभी तक सूचित नहीं किया गया है। इस मामले की जांच केन्द्रीय जांच ब्यूरो से करवाने के लिए अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है।

(ख) बिहार सरकार के अधिकारियों के दोषों का पता सतर्कता जांच के पूरा होने पर ही लग सकेगा।

(ग) अधिकारियों अर्थात सेन्ट्रल बैंक आफ इन्डिया के 6 और स्टेट बैंक आफ इन्डिया के तीन अधिकारियों को केन्द्रीय जांच ब्यूरो द्वारा की गई जांच के दौरान अनियमितताओं में शामिल हुआ पाया गया है। उन सभी के विरुद्ध कार्यवाही आरम्भ कर दी गई है।

पम्प सेटों के घोटाले में अन्तर्ग्रस्त बैंक अधिकारियों के विरुद्ध जांच

1425. **श्री अशोक नाथ वर्मा :** क्या कृषि मंत्री 8 मई, 1987 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न 2250 के दिए गए उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि बैंक के सभी अधिकारी घोटाले में समान रूप से अन्तर्ग्रस्त थे, परन्तु उनमें से सभी के विरुद्ध जांच नहीं की गई, इसके क्या कारण हैं, उक्त जांच के बाद दोषी पाए गए व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही क्यों नहीं की गई; और

(ख) क्या कृषि विकास बैंक और इसकी शाखाओं द्वारा किए गए कथित घोटाले की जांच "नाबार्ड" द्वारा करवाई गई थी, यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं और यदि हां, तो कितने व्यक्तियों को दोषी पाया गया तथा उनके विरुद्ध क्या कार्यवाही की गई ?

कृषि मंत्रालय में ग्रामीण विकास विभाग में राज्य मंत्री (श्री रामानन्द यादव) : (क) केन्द्रीय जांच ब्यूरो द्वारा उन मामलों की जांच की गई है जहां कहीं बैंक अधिकारियों का घोटाले में प्रत्यक्ष रूप से शामिल होना प्रमाणित हुआ है। केन्द्रीय जांच ब्यूरो ने सम्बन्धित बैंक अधिकारियों के विरुद्ध आरोप-पत्र दाखिल कर दिये हैं। केन्द्रीय जांच ब्यूरो द्वारा इन मामलों में सक्षम न्यायालयों में अभियोजन कार्रवाई की जा रही है।

(ख) राष्ट्रीय कृषि तथा ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) ने भी इन मामलों की जांच की है। राष्ट्रीय कृषि तथा ग्रामीण विकास बैंक के निष्कर्षों को राज्य सरकार को मामले में उचित कार्रवाई करने हेतु सूचित कर दिया गया है। राज्य सरकार ने सूचित किया है कि इस मामल की जांच राज्य सरकार के सतर्कता विभाग द्वारा की जाएगी।

पम्प सेटों की आपूर्ति की जांच

1426. **श्री अशोक नाथ वर्मा।** क्या कृषि मंत्री 8 मई, 1987 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न 2250 और 2251 के दिए गए उत्तरों को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार देश भर में बोरिंग और पम्प सेटों की सप्लाई में जालसाजी के संबंध में उसी प्रकार की जांच करवाने का विचार रखती है; और

(ख) क्या यह सच है कि नमूने के तौर पर एक जिले में जांच कराने पर भारी घोटाले का पता चला है और यदि हां, तो उन्हीं आरोपों के आधार पर सरकार द्वारा सारे देश में जांच न कराये जाने के क्या कारण हैं और यदि पहले ही कोई जांच कार्रवाई गई है तो ब्यौरा क्या है ?

कृषि मंत्रालय में ग्रामीण विकास विभाग में राज्य मंत्री (श्री रामानन्द यादव) : (क) जालसाजी के मामलों की जांच विशिष्ट शिकायत/सूचना प्राप्त होने पर की जाती है। विशिष्ट शिकायत के बिना आम जांच कराने से कोई लाभकारी प्रयोजन सिद्ध नहीं होगा।

(ख) वर्तमान जांच एक विशिष्ट शिकायत के आधार पर ही शुरू की गई थी। जांच किए जाने के बाद केन्द्रीय जांच ब्यूरो ने नौ बैंक अधिकारियों का शामिल होना प्रमाणित किया है। उनके खिलाफ लगाये गये आरोप मुख्यत: अपराधिक षड्यंत्र, जालसाजी और बेईमानी के दोषों से सम्बन्धित है।

Fertilizer Prices

1427. SHRI RAJNI RANJAN SAHU: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) what were the issues and sale prices of various fertilizers during the year 1986-87;

(b) what was the retention price for each fertilizer produced by each company and what was the subsidy paid during the year 1986-87; and

(c) what were the imports of each fertilizer during 1986-87 and what was the landed cost of imports?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF AGRICULTURE AND COOPERATION IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI YOGENDRA MAKWANA): (a) The issue and sale prices of major Fertilisers during the year 1986-87 are given in tne enclosed Statement-I (*See* below).

(b) Rs. 1700/- crores were paid as subsidy on all indigenous fertilisers during the year 1986-87. The retention price for various Fertilisers produced by different companies is given in the enclosed Statement-II (*See* below).

(c) The following quantities of Fertilisers were imported during the year 1986-87 at an approximate landed cost (C & F) of Rs. 651 crores:—

(Quantity in lakh tonnes)

1. Urea	21.75
2. DAP	6.26
3. MOP	14.69
4. SOP	0.16
TOTAL:	42.86